**Valedictory Function of ICAR Sponsored Winter School** on
"Advances in Geospatial Techniques for Soil Resource Mapping and Management" (05th - 25th February, 2025)

The valedictory function of the 21-day ICAR-sponsored Winter School on "Advances in Geospatial Techniques for Soil Resource Mapping and Management" was successfully concluded at ICAR-NBSS&LUP, RC, Udaipur on 25, February, 2025. The training program, aimed at enhancing knowledge and skills in geospatial technology applications for soil resource management. The session was attended by heads of divisions and regional centres, distinguished scientists, technical staff, and 25 participants from across the country. The event was graced by **Dr. N.G. Patil**, Director, ICAR-NBSS&LUP, Nagpur, as the Chief Guest. The Guests of Honour included **Sh. Shivprasad Nakate**, Excise Commissioner, Udaipur, and **Dr. M.G. Shinde**, Professor & Head, MPKV, Rahuri, as the Special Guest. The program commenced with a warm welcome, followed by the felicitation of the esteemed guests by **Dr. B. L. Mina**, Head, RC, Udaipur. **Dr. R. P. Sharma,** Course Director, presented a comprehensive summary of the training program, highlighting key insights and achievements. Participants shared their feedback, expressing appreciation for the enriching sessions and practical exposure provided during the training. The function also included the distribution of training certificates to all participants, acknowledging their successful completion of the program. The dignitaries addressed the gathering, emphasizing the importance of geospatial technologies in modern soil resource management. Special Guest **Dr. M.G. Shinde** highlighted the role of remote sensing and GIS in modern agricultural practices. Guest of Honour **Sh. Shivprasad Nakate** shared his valuable insights emphasized the importance of advanced geospatial technologies in assessment of land degradation, desertification and identification of soil related problems and their solutions. The Chief Guest, **Dr. N.G. Patil**, Director motivated the participants to implement the acquired knowledge in their professional endeavours and specially focused on importance of geospatial techniques in digital agriculture. The event concluded with a vote of thanks delivered by **Dr. Brijesh Yadav,** Course Coordinator, expressing gratitude to the dignitaries, participants, and organizing team for their contributions to the success of the Winter School. The valedictory function marked the culmination of a highly informative and impactful training program, reinforcing the commitment to advancing geospatial applications in soil resource management.

मृदा संसाधन मानचित्रण और प्रबंधन की नवीनतम तकनीक आधारित 21 दिवसीय शीतकालीन स्कूल **(**05 - 25 फरवरी, 2025**)** का समापन

21-दिवसीय आईसीएआर-प्रायोजित शीतकालीन स्कूल **"आधुनिक भू -स्थानिक तकनीकों से मृदा संसाधन मानचित्रण और प्रबंधन "** का समापन समारोह आईसीएआर-एनबीएसएस एंड एलयूपी, आरसी, उदयपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य भू-स्थानिक तकनीकों के अनुप्रयोगों के माध्यम से मृदा संसाधन प्रबंधन में ज्ञान और कौशल को बढ़ाना था। इस सत्र में विभागीय प्रमुखों, क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुखों, प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, तकनीकी स्टाफ और देशभर से 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम की शोभा **डॉ. एन.जी. पाटिल**, निदेशक, आईसीएआर-एनबीएसएस एंड एलयूपी, नागपुर, ने मुख्य अतिथि के रूप में बढ़ाई। **श्री शिवप्रसाद नकाते**, आबकारी आयुक्त, उदयपुर, और **डॉ. एम.जी. शिंदे**, प्रोफेसर एवं प्रमुख, एमपीकेवी, राहुरी, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत गर्मजोशी से स्वागत और प्रतिष्ठित अतिथियों के सम्मान के साथ हुई, जिसे **डॉ. बी.एल. मीना, प्रमुख, आरसी, उदयपुर** ने किया। **डॉ. आर.पी. शर्मा, पाठ्यक्रम निदेशक** ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का व्यापक सारांश प्रस्तुत किया, जिसमें प्रमुख अंतर्दृष्टि और उपलब्धियों को उजागर किया गया। प्रतिभागियों ने अपने फीडबैक साझा किए और प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त समृद्ध सत्रों और व्यावहारिक अनुभव के लिए सराहना व्यक्त की। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को उनके सफल समापन के प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

माननीय अतिथियों ने सभा को संबोधित किया और आधुनिक मृदा संसाधन प्रबंधन में भू-स्थानिक तकनीकों के महत्व पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि **डॉ. एम.जी. शिंदे** ने रिमोट सेंसिंग और जीआईएस की आधुनिक कृषि पद्धतियों में भूमिका पर प्रकाश डाला। **श्री शिवप्रसाद नकाते** ने भू-स्थानिक तकनीकों की उन्नति के महत्त्व, भूमि क्षरण, मरुस्थलीकरण और मृदा संबंधित समस्याओं के आकलन और उनके समाधान पर अपने विचार साझा किए।

मुख्य अतिथि **डॉ. एन.जी. पाटिल** ने प्रतिभागियों को अपने व्यावसायिक प्रयासों में प्राप्त ज्ञान को लागू करने के लिए प्रेरित किया और डिजिटल कृषि में भू-स्थानिक तकनीकों के महत्व पर विशेष रूप से बल दिया। इस कार्यक्रम का समापन **डॉ. बृजेश यादव, पाठ्यक्रम समन्वयक** के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने इस कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले सभी गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों और आयोजन टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन समारोह ने एक अत्यंत सूचनात्मक और प्रभावशाली प्रशिक्षण कार्यक्रम की समाप्ति को चिह्नित किया, जिससे मृदा संसाधन प्रबंधन में भू-स्थानिक अनुप्रयोगों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता मजबूत हुई।

ICAR SPONSORED WINTER SCHOOL
Advances in Geospatial Techniques
for Soil Resource Mapping and Management
Organized by
ICAR-National Bureau of Soil Survey & Land Use Planning
Regional Centre, Udaipur

ICAR SPONSORED WINTER SCHOOL
Advances in Geospatial Techniques
for Soil Resource Mapping and Management

ICAR SPONSORED WINTER SCHOOL
Advances in Geospatial Techniques
Soil Resource Mapping and Management